गतिविधि 9. *हमारे देश में भांति–भांति के लोग रहते हैं, भांति–भांति की भाषा बोलते हैं, और भांति–भांति के त्यौहार मनाते हैं, सामने कुछ चित्र दिए गये गये हैं, चित्रों में से त्योहारों को पहचान कर खाली जगह में उनका नाम लिखें।*

 ____

 ____

 ____

 ____

गतिविधि 10. *जिस तरह नीचे डिब्बे में एक हाथ पर मेहंदी लगी हैं, वैसे ही दुसरे डिब्बे में अपना हाथ रख कर उसका छापा लेना व उसमे कोई मेहंदी का डिजाइन बनाये अभिभावक बच्चों से यह जानने का प्रयत्न करे की मेहंदी कब लगायी जाती हैं, व मेहंदी को कैसा घोला जाता हैं। बच्चों को स्वत: बोलने का पूर्ण मौका दे।*

गतिविधि 11. *अपने आस पास से कुछ पत्ते इकट्ठे कर नीचे दिए गये आकृतियों को बनाने का प्रयत्न करें इस कार्य में अभिभावक भी बच्चों की सहायता कर सकते हैं।*

गतिविधि 12. *नीचे कुछ चित्र दिए गये हैं जिसमें एक दूसरे के उल्टे शब्द दिए गये हैं जैसे मोटा–पतला, सोना–जागना, गोरा–काला। अब आपको भी नीचे दिए गए शब्दों के उल्टे शब्द लिखने हैं।*

निर्माणकर्ता–
त्रिलोक सिंह,बालमुकुन्द,शालिनी गुसाई
ब्लाक–एकेश्वर,दुगड्डा,द्वारीखाल , पौड़ी गढ़वाल

तकनीकी सहयोग
– रूम टू रीड इण्डिया ट्रस्ट

कक्षा–2, वर्कशीट-15 (साप्ताहिक)

पाठ –15 (एक्की दुक्की)

बच्चे का नाम.........................	**स्कूल......................................**
अभिभावक का नाम...................	**मोबाइल नम्बर...........................**

अभिभावकों के लिए – हम आशा करते हैं कि आप या घर का कोई भी सदस्य इस वर्क शीट के कार्य को पूरा करने में बच्चों की मदद करेंगे।

गतिविधि 1. *बच्चों के साथ आप आस पास दिखने वाले जानवरों और पेड़ पौधों पर बात करें। फिर उन्हें यह चित्र दिखाते हुए उनसे इस पर खूब सारी बातचीत करें। जैसे– चित्र में क्या–क्या दिख रहा है। यह कहाँ का चित्र होगा? चित्र में आपको कौन–सा जानवर दिख रहा है। चित्र को देखकर किन्ही पांच चीजों के बारे में बताओ चित्र में दिख रहा आदमी क्या कर रहा है?*

– दिये गए चित्र में आपको क्या–क्या दिखाई दे रहा है। कोई 5 चीजों के नाम लिखो।

....

गतिविधि 2. *बच्चें नीचे दिए गए 'ज्ञ' वर्ण को पढ़कर उचित ढंग से लिखेगें।*

ज्ञ	ज्ञ	ज्ञ	....

गतिविधि 3. *वर्णों को मिलाकर पढ़ें और खाली बॉक्स में लिखें। साथ ही नीचे दिए गए बॉक्स में लिखे शब्दों को पढ़िए।*

जि ज्ञा सा	अ ज्ञा न	वि ज्ञा न

विज्ञान जिज्ञासा अज्ञात वैज्ञानिक यज्ञ

गतिविधि 4. *अभिभावक बच्चों को निचे दिए गये चित्रों को दिखाए और बताये कि जैसे– ये पेड हैं, लड़का हैं, लड़की हैं. शेर हैं, और फूल हैं व यह सब इनके नाम हैं। तो हम इन्हे नाम वाले शब्द बोलते हैं। ऐसे ही आप भी एक्की दुक्की वाली कहानी से नाम वाले शब्द ढूंढे और लिखें।*

(a) पेड़ (b) लड़का (c) लड़की (d) शेर (e) फूल

.....

.....

.....

गतिविधि 5. *अभिभावक नीचे लिखी गई कहानी को धाराप्रवाह के साथ पढ़कर बच्चों को सुनाएँ तथा बच्चों से भी कहानी को पढ़ने के लिए कहें।*

एक्की और दोक्की दो बहनें थीं। एक का नाम था एककेसवाली और दूसरी का नाम था दोनकेसवाली। दोनों बहनें अपने अम्मा और बाबा के साथ एक छोटे से घर में रहती थीं। एककेसवाली का एक ही बाल था इसलिए सब उसे एक्की बुलाते थे। दोनकेसवाली बड़ी घमंडी थी। उसके दो बाल थे इसलिए सब उसे दोक्की बुलाते थे। अम्मा सोचती थीं कि दोक्की जैसी सुंदर लड़की तो दुनिया में है ही नहीं। और बाबा–उनको सोचने की फुरसत ही कहाँ! काम में जो उलझे रहते थे। दोक्की हमेशा अपनी बहन पर रौब जमाती रहती। एक दिन एक्की घने जंगल में गई। चलते–चलते वह घने जंगल के बीच आ पहुँची। चारों तरफ सन्नाटा था। अचानक उसने एक आवाज़ सुनी पानी! मुझे प्यास लगी है! कोई पानी पिला दो! एक्की रुकी और उसने चारों तरफ घूमकर देखा। वहाँ तो कोई नहीं था। फिर उसने देखा, सूखी, मुरझाई हुई मेहँदी की एक झाड़ी, जिसके पत्ते सरसरा रहे थे। पास में ही पानी की धरा बह रही थी। एक्की ने चुल्लू में पानी भरकर एक बार, दो बार, कई बार झाड़ी के ऊपर डाला। मेहँदी की झाड़ी बोली धन्यवाद एक्की! मैं तुम्हारी ये मदद याद रखूँगी। एक्की आगे बढ़ गई। फिर अचानक सन्नाटे में उसे एक और आवाज सुनाई दी मुझे भूख लगी है! कोई मुझे खाना खिला दो! एक्की ने देखा कि एक मरियल सी गाय पेड़ से बंधी हुई थी। एक्की ने घास–फूस इकट्ठी की और गाय को खिला दी। उसके बाद उसने गाय के गले में बंधी रस्सी को खोल दिया। धन्यवाद एक्की! मैं तुम्हारी ये मदद हमेशा याद रखूंगी गाय ने कहा। एक्की अब चलते–चलते थक गई थी। उसे गर्मी भी लग रही थी। उसे समझ नहीं आ रहा था कि अब वह क्या करे? कहाँ जाए? तभी उसे दूर एक झोंपड़ी दिखाई दी। एक्की दौड़कर झोंपड़ी तक गई और आवाज लगाई कोई है? एक बूढ़ी अम्मा ने दरवाजा खोला। बूढ़ी अम्मा ने कहा आहा! आ गई मेरी बच्ची? मैं तुम्हारी ही राह देख रही थी। आओ, अंदर आ जाओ। एक्की हैरान हो गई और चुपचाप झोंपड़ी में आ गई। झोंपड़ी में आकर उसे बहुत अच्छा लगा। बूढ़ी अम्मा ने कहा आओ बेटी, तुम्हारे लिए नहाने का पानी तैयार है। पहले अच्छी तरह से तेल लगाओ और उसके बाद नहा लो। फिर हम खाना खाएँगे। एक्की ने शरमाते हुए कहा नहीं! नहीं! अम्मा ने पुचकार कर कहा अरे नहीं क्या! जैसा मैं कहती हूँ वैसा करो। एक्की ने बूढ़ी अम्मा की बात मान ली। फिर पता है क्या हुआ? एक्की ने जैसे ही अपने सिर से तौलिया हटाया तो उसने पाया कि उसके सिर पर एक नहीं परंतु बहुत सारे बाल थे। एक्की इतनी खुश हुई कि वह खाना खा ही नहीं सकी। बस, बार–बार वह बूढ़ी अम्मा का धन्यवाद ही करती रही! बूढ़ी अम्मा ने मुस्कुराते हुए कहा अब तुम घर जाओ बेटी और हमेशा खुश रहो। एक्की के तो जैसे पंख ही निकल आए। वह सरपट घर की तरफ दौड़ चली। रास्ते में उसे गाय ने मीठा–मीठा दुध और झाड़ी ने हाथों पर रचाने के लिए मेहँदी दी। घर पहुँचकर एक्की ने सारी कहानी सुनाई। दोक्की कहानी सुनते ही सीधे जंगल की तरफ भागी। दोक्की इतना तेज भाग रही थी कि न उसने प्यासी झाड़ी और न ही भूखी गाय की पुकार सुनी। वह तो धड़धड़ाती हुई झोंपड़ी में घुस गई और बूढ़ी अम्मा को हुक्म दिया मेरे लिए नहाने का पानी तैयार करो। हाँ, आओ, मैं तुम्हारी ही राह देख रही थी। पानी तैयार है, नहा लो बूढ़ी अम्मा ने दोक्की से कहा। झटपट नहाने के बाद जैसे ही दोक्की ने तौलिया सिर से हटाया, उसकी तो चीख निकल गई! दोक्की के दो ही तो बाल थे और वे भी झड़ गए थे। रोते–रोते दोक्की घर की तरफ चलने लगी। रास्ते में उसे गाय ने सींग मारा और मेहँदी की झाड़ी ने काँटे चुभो दिए। मगर अब दोक्की अपना सबक सीख चुकी थी। इसके बाद एक्की, अपने अम्मा–बाबा के साथ खुशी–खुशी रहने लगी।

गतिविधि 6. *अभिभावक बच्चों से नीचे दिये गए प्रश्न पूछें, और उन्हें उत्तर लिखने के लिए प्रेरित करें।*

प्रश्न 1– जंगल में कौन प्यासा था ?

उत्तर – .....

प्रश्न 2– जंगल में भोजन किसने माँगा ?

उत्तर– .....

प्रश्न 3 तौलिया निकलने के बाद एक्की खुश क्यों थी ?

उत्तर– .....

प्रश्न 4– दुक्की को क्या सबक मिला ?

उत्तर– .....

गतिविधि 7. *जैसे मेहंदी लगा कर हाथ का श्रृंगार किया जाता हैं, वैसे ही सामने दिए गये श्रृंगार सामान को पहचाने और खाली स्थान पर लिख कर बताइए। कि यह शरीर के किस अंग पर पहने जाते हैं।*

गतिविधि 8. *अभिभावक नीचे दी गयी ग्रिड में चित्र की सहायता से जानवरों के नाम बच्चों से पूछें। और खाली जगह पर लिखवायें।*

कु	व	शे	र
ता	हि	र	न
कु	न	ची	ता
बि	गा	य	हि
ल्ली	छ	ग	धा

कुत्ता

.....

.....

.....